



०५
१२/११/९२

भारत का दृष्टिपत्र

The Gazette of India

दासाधारणा
EXTRAORDINARY

भाग 11—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 458] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 11, 1991/अग्रहायन 20, 1913

No. 458] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 11, 1991/AGRAHAYANA 20, 1913

इस भाग में भिन्न घट्ठ संलग्न हो जाएंगे इन जिसमें कि वहु अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त संतालन

(राजस्व विभाग)

ग्राहिमूलना

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1991

सं. 38/91-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी)

सा.का.नि. 734(ग्र).--केन्द्रीय सरकार का यह समाचार हो गया है कि दस प्रथा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमूल अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उत्पाद शुल्क के उद्धरण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्धरण न किया जाना भी है) साधारणतया प्रचलित थी, उत्पाद शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिक अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अन्याय 25 के अन्तर्गत आने वाले और सोमेट किंकरों के विनिर्माण में वढ़ रूप से उपयुक्त 'या फीट' या 'कैरेस' दर २५% लगत अधिनियम को ग्राम 3 के

अधीन 20 मार्च, 1990 को प्रारम्भ होने वाली और 17 मई, 1990 को समाप्त होने वाली अधिकाधि के दौरान उद्घासित नहीं किया जा रहा था;

और ऐसे "रा. फीड" या "कर्डम" पर विशेष उत्पाद ग्रुप्प की पूर्वोक्त अधिकाधि के दौरान ऐसे विशेष ग्रुप्प के उद्घासण से संबंधित सुरक्षण अधिकाधि के अधीन उद्घासित नहीं किया जा रहा था;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद ग्रुप्प और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त विवितर्थों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश क्षेत्री है कि ऐसे "रा. फीड" या "कर्डम" पर, जिसका सीमेट विनिकरणों के विस्तरण में बन्ध रूप से उपयोग किया जाता है, संपूर्ण उत्पाद ग्रुप्प और प्राप्तिस्थिति, उक्त नमक अधिनियम की धारा 3 के अधीन या उक्त सुरक्षण विवित के अधीन मंदिय विशेष उत्पाद ग्रुप्प परे "रा. फीड" या "कर्डम" पर, जिस पर उक्त उत्पाद-ग्रुप्प और विशेष उत्पाद-ग्रुप्प उक्त प्रथा के अनुसार उद्घासित नहीं किया गया था, सदस्त किया जाना अवशिष्ट नहीं होगा।

[फा. सं. 115/10/90-सी एक्स-3]
अर्थविवर सिंह, अप्रार विविषण

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th December, 1991

No. 38/91-CENTRAL EXCISES (N. T.)

G.S.R. 734(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on 'Raw Feed' or 'Slurry' falling within Chapter 25 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and used captively in the manufacture of cement clinkers was not being levied under section 3 of the first-mentioned Act, during the period commencing on the 20th day of March, 1990 and ending with the 17th day of May, 1990;

And whereas the special duty of excise on such 'Raw Feed' or 'Slurry' was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such special duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises & Salt Act, 1944, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under section 3 of the said Salt Act, or as the case may be, under the said relevant law relating to levy of special duty on such 'Raw Feed' or 'Slurry', as is captively consumed in the manufacture of cement clinkers, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such 'Raw Feed' or 'Slurry' on which the said duty of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. 115/10/90-CX 3]
ARVIND SINGH, Under Secy.

Printed by the Manager Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1991